मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 15 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 15 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 332 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 80 साल की आजादी : सफर, संघर्ष व सवाल

रानी मुखर्जी लॉ ट्रोब यूनिवर्सिटी की मानद डॉक्टरेट से सम्मानित 6

रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फहराया तिरंगा, कहा-

भर्ती परीक्षा व्यवस्था में होगा बड़ा सुधार युवाओं की मेहनत जाया नहीं जायेगी

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पहली बार राष्ट्रीय गीत का गायन हुआ

संवाददाता

रांची: 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में तिरंगा फहराया। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और राज्य की जनता को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि आजादी का मतलब हर युवा की शिक्षा, किसान की समृद्धि और सभी को न्याय मिलना है। 15 अगस्त केवल एक तारीख नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने भर्ती परीक्षाओं के मुद्दे पर बात रखी। उन्होंने कहा कि युवाओं की मेहनत बेकार नहीं जाने दी जाएगी। जेपीएससी और जेएसएससी में व्यवस्था परिवर्तन का फैसला लिया गया है। गड़बड़ी करने वाला कितना भी रसूखदार हो, उस पर सख्त कार्रवाई होगी। पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और समयबद्ध बनेगी। इसमें छात्र, शिक्षक और अभिभावक भी अपने सुझाव दें।

सीएम ने रोजगार और अर्थव्यवस्था पर आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि राज्य में 16 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां चल रही हैं। इनमें 60 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है। स्थानीय संसाधनों पर उद्योग लगाकर 22,000 से अधिक लोगों को काम दिया जाएगा। कृषि और बागवानी को बढ़ावा मिल रहा है। जोहार रागी मिशन से 35,000 से ज्यादा किसानों को आजीविका मिल रही है। महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना से महिलाओं में आत्मनिर्भरता आई है। महिलाओं को किसान उत्पादक संगठनों में भी आगे लाया जाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में अस्पताल, टेलीमेडिसिन और डिजिटल व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कागजों में नहीं, बल्कि जनता के जीवन में दिखना चाहिए।

प्रधानमंत्री का लाल किले से विकसित भारत का संकल्प, बच्चों से भावुक मुलाकात

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्र को संबोधित करने के बाद लाल किले पर स्कूली बच्चों से बातचीत की। जैसे ही प्रधानमंत्री ने अपना भाषण खत्म किया, सफेद, हरे और केसरिया रंग के कपड़े पहने स्कूली बच्चों का एक समूह उनकी ओर दौड़ा। मोदी उनसे बातचीत करने के लिए रुके और कई बच्चों से हाथ मिलाया, जिससे उनके स्वतंत्रता दिवस भाषण के समापन पर एक भावुक पल बन गया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले में राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व किया था। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्र को संबोधित करते हुए 2047 तक 'विकसित भारत' के लिए अपना विजन पेश किया।

इस साल का जश्न इसलिए भी खास था क्योंकि देश 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था। पहली बार, लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रगीत गाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मौका ऐतिहासिक है और उन्होंने 'वंदे मातरम' की भावना को 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने के सफर से जोड़ा।

अपने भाषण के दौरान, मोदी ने आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत@2047' का विजन 140 करोड़ से ज्यादा भारतीयों की उम्मीदों को दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने डिजिटल कनेक्टिविटी, डिजिटल ट्रांजैक्शन, पाइप से गैस सप्लाई, रिन्यूएबल एनर्जी और रेलवे के इलेक्ट्रिफिकेशन में भारत की तरक्की का ज़िक्र किया और इन्हें देश के विकास के रास्ते के संकेत बताया। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और ज्यादा आत्मनिर्भरता के महत्व पर जोर दिया, खासकर अहम सेक्टर जैसे कि जरूरी मिनरल्स, एनर्जी सिक्योरिटी और डेटा सेंटर में। एनर्जी के मामले में, मोदी ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 जीडब्ल्यू न्यूक्लियर पावर पैदा करना है, साथ ही उन्होंने सोलर एनर्जी क्षमता के विस्तार पर भी जोर दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

कुदरी में तस्करों के चंगुल से आठ गौवंश को मुक्त कराया गया

तोरपाः प्रखंड के कुदरी गांव में बजरंग दल के कार्यकताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से तस्करी के लिए ले जाये जा रहे आठ गौवंश को मुक्त कराया। कार्रवाई का नेतृत्व बजरंग दल खूंटी के जिला संयोजक कर्मवीर महतो ने किया। जानकारी के अनुसार, गौवंश को तस्करी के लिए ले जाए जाने की सूचना मिलने पर कर्मवीर महतो के नेतृत्व में कार्यकर्ता कुदरी गांव पहुंचे। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण भी उनके साथ जुट गए और संयुक्त प्रयास से आठ गौवंश को सुरक्षित मुक्त कराया गया। मौके पर कर्मवीर महतो ने ग्रामीणों से संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सजग रहने तथा इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा के लिए सामाजिक जागरूकता और ग्रामीणों की सहभागिता जरूरी है। बजरंग दल ने कार्रवाई में सहयोग के लिए कुदरी गांव के ग्रामीणों के प्रति आभार जताया।

बोकारो में सड़क हादसा : चार बाइक सवार युवकों की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

बोकारोः पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के बिरनी मोड़ के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार चार युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे चारों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही पिंड्राजोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों घायलों को तत्काल सदर अस्पताल, बोकारो पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद चारों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को प्रारंभिक जानकारी मिली है कि चारों व्यक्ति पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र के अमाडीह गांव के रहने वाले हैं। हालांकि, पुलिस अभी उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर पाई है। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। शवों को बोकारो जनरल अस्पताल मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर चतरा में शान से लहराया तिरंगा

उपायुक्त ने दिया विकास, सुशासन व एकता का संदेश

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में उपायुक्त ने किया ध्वजारोहण,परेड का किया निरीक्षण की लगी लंबी कतारें

संवाददाता

चतराः पूरे देश के साथ चतरा जिले में भी 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष, उल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रातः 08:00 बजे समाहरणालय परिसर, चतरा में उपायुक्त रवि आनंद ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी सहित वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ।इसके उपरांत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने फांसीहारी तालाब स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही पोस्ट ऑफिस चौक स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। विनय भारती पार्क में भी महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात पोस्ट ऑफिस चौक स्थित रेड क्रॉस भवन में ध्वजारोहण किया गया। वहीं एसपी अनिमेष नैथानी ने गोपनीय कार्यालय और पुलिस लाइन में झंडोत्तोलन किया।स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में आयोजित किया गया। समारोह में उपायुक्त रवि आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने सुसज्जित वाहन पर सवार होकर पुलिस बल, एनसीसी कैडेट्स एवं स्कूली बच्चों की परेड का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी तथा राष्ट्रगान हुआ।इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक बैंड प्रदर्शन ने समारोह के वातावरण को देशभक्ति एवं राष्ट्रीय भावना से सराबोर कर दिया। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने जिलेवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नगर चतरा के नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस भारत के गौरव, स्वाभिमान एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीमराव आंबेडकर, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुखदेव, राजगुरु, रानी लक्ष्मीबाई, भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव सहित सभी ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारे अधिकारों का उत्सव नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता को स्मरण करने का अवसर भी है। विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि चतरा मेहनतकश किसानों, युवाओं, महिलाओं, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों, पुलिस बल, स्वयं सहायता समूहों एवं जागरूक नागरिकों की भूमि है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जनसेवा, पारदर्शिता एवं विकास को केंद्र में रखते हुए प्रत्येक पात्र नागरिक तक सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाया जाए। ग्रामीण विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के साथ परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जून 2026 तक 18.58 लाख मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध 7.77 लाख मानव दिवस का सृजन किया गया है। बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत 1,700 एकड़ के लक्ष्य के विरुद्ध 1,799 एकड़ में वृक्षारोपण किया गया है तथा लाभुकों द्वारा 344 क्विंटल आम का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में बिक्री की गई है।प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2016 से अब तक 82,985 के लक्ष्य के विरुद्ध 81,965 आवास पूर्ण किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 15,466 आवासों में से 3,811 आवास पूर्ण हुए हैं। पीएम जनमन के अंतर्गत 715 पीवीटीजी लाभुकों को आवास का लाभ दिया गया है। अबुआ आवास योजना के अंतर्गत भी हजारों लाभुकों को आवास उपलब्ध कराया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र परिवार आवास एवं रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे।खाद्य सुरक्षा के संबंध में उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिले में 1,83,918 कार्डधारी परिवारों के 8,63,492 सदस्यों को आच्छादित किया गया है।पीएचएच परिवारों को प्रति सदस्य पांच किलोग्राम तथा ए ए वाई परिवारों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले में 14 मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र संचालित हैं, जहां जरूरतमंद लोगों को कम कीमत पर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावे उपायुक्त ने कई विकास योजनाओं पर अपनी बात रखी।कहा कि सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान 1,78,501 लाभुकों को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का भुगतान तथा 1,13,659 लाभुकों को सर्वजन पेंशन योजना का भुगतान किया गया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची

अति अल्पकालीन ईप्रोक्यॉमेंट नोटिस
(प्रथम आमंत्रण)

ई–निविदा आमंत्रण संख्या–DWSD/HEADWORKS/-08 /2026—27
दिनांकः– 14.08.2026

1	कार्य का नाम	Renovation of One Number Filter Bed No.-11 and etc. allied work New W.T.P. at Rukka Under D.W. S. Swarnrekha Headworks Division, Ranchi.
2	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	29,52,197.00 लाख (उनतीस लाख बावन हजार एक सौ सन्तानबे रूपये) मात्र।
3	अग्रधन की राशि (रूपये में)	59,100.00 (उनसठ हजार एक सौ रूपये) मात्र।
4	कार्य समाप्ति की अवधि	02 माह
5	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	5,000.00 (पाँच हजार)।
6	बेवसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	21.08.2026 को अपराह्न 05:00 बजे
7	निविदा के पूर्व बैठक की तिथि	
8	बेवसाइट पर निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	31.08.2026 को अपराह्न 04:00 बजे तक।
9	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	01.09.2026 को अपराह्न 05:00 बजे।
10	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची।
11	जिनके द्वारा निविदा खोली जायेगी का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची।
12	प्रोक्यॉरमेंट कार्यालय का सम्पर्क नं0	7541824824 E-Mail ID:- eedwsd.headworks@gmail.com
13	ईप्रोक्यॉरमेंट सेल का सहायता केन्द्र सं0	0651–2480345

नोटः–1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई–गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय धुर्वा, राँची के आदेश सं0 ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान संवेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते से अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी।
4. केवल ई निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
5. विस्तृत जानकारी हेतु बेवसाइट http://jharkandtenders.gov.in पर देखें।
6. निविदा बिना कारण बताये कभी भी संशोधित या रद्द किया जा सकता है।
7. राज्य सरकार द्वारा निर्गत अद्यतन आदेश / परिपत्र लागु होंगें।
8. उपरोक्त कार्य पर Jharkhand Procurement Policy लागू होगी।
9. विभागीय पत्रांक 1410 दिनांक 10.06.2026 मध्यस्थता एवं ई–बीजी संबंधी निर्गत अधिसूचना का अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगें।

जल ही जीवन है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा शीर्षकार्य प्रमंडल, राँची

PR.NO.387625 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

चंद्रप्रभा देवी की 25वीं पुण्यतिथि पर प्रभु जनों के बीच बांटा गया भोजन

संवाददाता

चक्रधरपुरः जननायक समिति के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन परिसर के निकट बारिश के बीच चंद्रप्रभा देवी की पुण्यतिथि पर भोजन वितरण किया गया। भोजन वितरण कार्यक्रम में बारिश के बीच प्रभु जनों में सात्विक भोजन और मिठाई का वितरण किया गया। इस भोजन वितरण कार्यक्रम में उपस्थित उनके पुत्र प्रोफेसर विकास कुमार मिश्रा ने कहा कि रात्रि बेला में कार्यक्रम पुनीत कार्य है। असहाय लाचार व वृद्ध प्रभु जनों की सुधि लेकर उन्हें भोजन कराना जननायक समिति का पुनीत और सराहनीय कार्य है। ऐसे कार्य हमें परोपकारिता की ओर अग्रसर करते हैं। इस अवसर पर जया आस्था व तरुण कुमार भी मुख्य रूप से उपस्थित थे। जननायक समिति सामाजिक चेतना और समाजिक कार्यों को हमेशा प्रोत्साहित करता है।

इंसान का इंसान से हो भाईचारा
यही पैगाम हमारा

प्रभु जनों के बीच भोजन वितरण

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,गुमला
जशपुर रोड, गुमला (झारखण्ड) – 835207
(E-mail- eercdgumla-jhr@nic.in)

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के e-Tender Ref. No. RCD/ GUMLA/ 579 dt. 06.08.2026 द्वारा आमंत्रित एवं PR संख्या 387020 Road (2026-27)_D द्वारा प्रकाशित निविदा आमंत्रण सूचना के क्रमांक (5) में वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि 11.08.2026 के स्थान पर 20.08.2026, क्रमांक (6) में निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25.08.2026 के स्थान पर 03.09.2026 एवं क्रमांक (7) में निविदा खुलने का तिथि 27.08.2026 के स्थान पर 07.09.2026 पढा जाय। शेष अन्य सूचनाएँ यथावत् रहेंगी।

ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, गुमला

PR 387552 Road(26-27).D

मुरहू मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा भारत माता के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

संववाददाता

मुरहूः देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ मुरहू मंडल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। इस दौरान भारत माता की जयह्व और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। यात्रा में कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मंडल प्रभारी प्रयांक भगत, मंडल अध्यक्ष विजय राम गंझू, महामंत्री सुखमोहन नायक एवं विजय भगत, मंडल उपाध्यक्ष प्रसून कुमार मांझी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम विहारी लाल, सुरेश प्रसाद अकेला, मागो मुंडा, राहुल महतो, बसंत भगत, सुनील गुप्ता, विजय तिडू, संजय गुप्ता, आदर्श गुप्ता सहित मुरहू मंडल के बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

INVITING REQUEST FOR PROPOSAL(R.F.P.)
WATER RESOURCES DEPARTMENT
GOVERNMENT OFJHARKHAND

NIT NO. : WRD/JH/CE/DMPH/RFP/07/2026
National Competitive Bidding

1.	Name of the Work	Request for Proposal for Conducting Studies and Preparation of Detailed Investigation Reports on Comprehensive Dam Safety Evaluation/ Structural Health Assessment for Dam Rehabilitation/ Preparation of Emergency Action Plan, Operation and Maintenance Manual etc. of Torlow Dam under Chief Engineer, WRD, Ranchi, Water Resources Department, Govt. of Jharkhand
2.	Mode of Submission of Bids	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
3.	Tender fee (In INR)	Rs.10,000.00 (Ten thousand only) -----(Non-refundable)
4.	Bid Security (In INR)	Rs.1,00,000/ - (One Lakh only)
5.	Time of completion	150 days from the date of LOA
6.	Date of availability of Bidding Document on Website	17/08/2026;16:00 HRS
7.	Last Date and time of submission of pre-bid queries	24/08/2026;11:00 HRS
8.	Date of Pre Bid Meeting	25/08/2026; 11:30HRS Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002
9.	Last Date of Submission of online Bids	07/09/2026;15:30HRS
10.	Date & time of opening of Technical Bid	08/09/2026;16:30HRS Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002
11.	Name of address of E-procurement officer	Chief Engineer, Design Master Planning And Hydrology, Room No. 203, Second Floor, Jal Bhawan, Doranda, Ranchi, Jharkhand-834002 Email:cedesign-wrd-jhr@nic.in
12.	Helpline no.	9162471847, 09787107524, 09599321224, 09304037930, 09110975717

Note:-Please see details on www.jharkhandtenders.gov.in

Chief Engineer
Design, Master Planning &Hydrology,
Water Resources Department,
Government of Jharkhand

PR.NO.387572 Water Resource(26-27):D

Office of the Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West, Ranchi

Short Tender Notice

EOI No.- 06/CDO/Ranchi/Empanelment/2026-27 Dated: - 14.08.2026

Expression of Interest

Inviting Expression of interest for empanelment of only indigenous manufacturers of Oriented Unplasticized Polyvinyl Chloride (PVC-O) pipe to be included as recommended makes to be used in ongoing and forthcoming Water Supply Schemes funded by Jal Jeevan Mission / 15th Finance Funds / Funds from other sources in Jharkhand through Online bidding.

1. Date of uploading of EOI on http://jharkhandtenders.gov.in : 18.08.2026
2. Pre-Bid meeting at CDO, DW&SD, Jharkhand, Doranda, Ranchi-834002 : 25.08.2026 at 03.00 PM.
3. Last date & time of online submission : 18.09.2026 upto 05.00 PM
4. Opening Date of Technical Bid : 19.09.2026 at 05.00 PM
5. EOI application Fee : Rs. 10,000/- only(non-refundable)
7. Helpline No. : +91 9504577191
8. EoI application Fee should be Paid Rs 10,000/- (Rupees Ten Thousand Only) (Non- Refundable) through Online Gateway Facilities two mode- Net Banking (SBI & 61 Others Bank) as well as NEFT/RTGS Challan Mode in favour of Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West payable at Ranchi. (As per IT & e-governance Department Letter-120, Date-03.10.2023 attached Annexure-1) Payment gateway of designated bank i.e. SBI for all Govt. Department.
9. Bid Security should be Rs 5,00,000/=(Rs Five Lacs only) through Online Gateway Facilities two mode- Net Banking (SBI & 61 Others Bank) as well as NEFT/RTGS Challan Mode in favour of Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Ranchi West payable at Ranchi. Bid Security will be returned after the expiry of four years, extendable as and when required from the date of empanelment and after satisfactory completion of work. (As per IT & e-governance Department Letter-120, Date-03.10.2023) Payment gateway of designated bank i.e. SBI for all Govt. Department. EoI application fee, Bid Security & Bid Documents separately in Online Mode shall be deposited. Only those applications will be entertained whose EoI application fee, Bid Security & bid documents is being received separately and properly superscribed in Online Mode. The office of Executive Engineer, D.W. & S. Division, Ranchi West Ranchi will not be held responsible for any failure in payment by online Method. Bid Security should have validity period of 180 days.
10. In the event date specified for receipt / opening declared a holiday, the due date for submission and opening, will be the following working day at the appointed time.
11. Bid Documents/ Any changes & Further details can be seen on website: http://jharkhandtenders.gov.in
12. In the event of online submission, EOI document will be submitted concurrently duly digitally signed in the Website: https://jharkhandtenders.gov.in
13. All the documents must be submitted online in any pocket (cover) irrespective of specified pocket (cover).
14. The Department reserves the right to cancel, revise or amend this notice or bid documents fully or partly prior to the last date notice for submission of offers or on any subsequent date.
15. All legal disputes will be entertained within the jurisdiction of Jharkhand High Court, Ranchi.

Executive Engineer,
DW&S Division, Ranchi West, Ranchi

PR 387602 Drinking Water and Sanitation(26-27)#D

स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मोरहाबादी में आयोजित राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों को उनकी वीरता, विशेष सेवा और सराहनीय कार्य के लिए पदक प्रदान किए। उत्कृष्ट सेवा के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को पदक दिए गए। इनमें पुलिस महानिरीक्षक डॉ माइकल राज एस और पुलिस उपमहानिरीक्षक अनुरंजन केस्पोट्टा शामिल हैं। इसके साथ ही डीएसपी मनोज कुमार राय, डीएसपी (विशेष शाखा) नीरज कुमार, पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार और पुलिस निरीक्षक अस कुमार मोदी को भी पदक मिले। अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। एसटीएफ रांची के एएसआई अरविंद कुमार पाले, संजीव कुमार झा, रांची जिले के दीपक और सीआईडी के महेंद्र महतो को पदक मिला। इसके अलावा एसटीएफ के चालक हवलदार मोहम्मद इकबाल (197), विराय मुंड्री (228) और हवलदार विजय थापा (235) को सम्मानित किया गया। महिला आरक्षी प्रभा देवी (536), महिला हवलदार रंजीता पुजू और गढ़वा जिले के आरक्षी विदेशी माजी (101) को भी सेवा पदक प्रदान किए गए।

न्यूज IN ब्रीफ

छात्र आंदोलन का 22वां दिन

स्वतंत्रता दिवस पर जयपाल सिंह स्टेडियम में बड़ी संख्या में जुटे युवा

रांचीः जेपीएसी- जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों का आंदोलन आज 22वें दिन भी जारी है। स्वतंत्रता दिवस के दिन हाथ में तिरंगा और सरफरोशी की तमन्ना जैसे जोश और उत्साहित करने वाले देशभक्ति के गीतों से पूरा जयपाल सिंह मुंडा गुलजार है। 10 अगस्त को विधानसभा मार्च के बाद स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी संख्या में युवा और छात्रों एक बार फिर जयपाल सिंह स्टेडियम में जुटान हुआ।

आंदोलित छात्र संगठनों, खासकर जेपीएसी- जेएसएससी रिफार्म मंच के आह्वान पर शनिवार को होने वाले तिरंगा मार्च में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में युवा राज्य के अलग-अलग हिस्से से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। युवा अपनी मांगों के समर्थन में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से लालपुर होते हुए परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक तिरंगा मार्च निकालेंगे।

तिरंगा मार्च से पहले पूरा जयपाल सिंह स्टेडियम देशभक्ति की गीतों पर थिरकते युवाओं से सराबोर नजर आ रहा है। कहीं पारंपरिक वेशभूषा में युवा राष्ट्रभक्ति के गीतों पर थिरक रहे हैं तो कहीं तिरंगा लिए युवाओं की टोली तिरंगा मार्च निकालने की तैयारी में लगे हैं।

सीबीआई जांच और 14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं छात्रः 14वीं जेपीएससी में हुई गड़बड़ी के खिलाफ जारी आंदोलन आज 22 वें दिन भी जारी है। इस बीच कई आंदोलनकारी आमरण अनशन के दौरान अस्पताल गए। विधानसभा मार्च के दौरान लाठी चार्ज में कई छात्र घायल हुए, लेकिन छात्रों का आंदोलन अभी भी जारी है। इसे लेकर सरकार और छात्रों के बीच तीन बार वार्ता भी हुई, लेकिन छात्रों की मांग के अनुरूप नहीं रहा। छात्रों की मांग है कि परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई जांच हो। साथ ही 14वीं जेपीएसएसी को रद्द करने की मांग की, जिस पर अभी तक सरकार सहमत नहीं हुई है और छात्रों का आंदोलन आज भी जारी है।

समाहरणालय परिसर में उपायुक्त ने किया झंडोत्तोलन, जिलेवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

रांचीः स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची, श्री मंजुनाथ भजन्त्री ने झंडोत्तोलन किया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, उप विकास आयुक्त, रांची संजय कुमार भगत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण समेत जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रांची, मंजुनाथ भजन्त्री ने सभी जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अपने वीर शहीदों के कुबार्नी को हमेशा याद रखना चाहिए और इस देश के उत्थान के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

रेलवे का सीनियर डिविजनल इंजीनियर 50 हजार घूस लेते गिरफ्तार

रांची : सीबीआई ने साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे, भिलाई के सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियरिंग को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान इंजीनियर के घर से 77 लाख रुपये नकद और 14 लाख रुपये के जेवरात मिले हैं। कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने इंजीनियर को आगे की जांच के लिए चार दिनों की रिमांड पर लिया है। सीबीआई से एक ठेकेदार ने सीनियर डिविजनल मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनमोल के खिलाफ लिखित शिकायत की थी। इसमें यह आरोप लगाया गया था कि उसका बिल पास करने के लिए इंजीनियर दो लाख रुपये घूस मांग रहा है। सीबीआई ने इस शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की। प्रारंभिक जांच के दौरान इंजीनियर दो लाख के बदले एक लाख रुपये घूस लेकर काम करने के लिए तैयार हो गया। बातचीत के बाद 50 हजार रुपये पहले और 50 हजार रुपये बिल पास होने के बाद देने की शर्त तय हुई।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़ेः
अटल बिहारी वाजपेय

जय हो भारत

आज हमारा स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, है। हमें गर्व, उल्लास और खुलापन महसूस करना चाहिए कि भारत एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक, संवैधानिक, संप्रभु राष्ट्र है। आजादी के 79 लंबे सालों में हमने एक लंबा सफर तय किया है। संघर्षों, अभावों, विपन्नता और युद्धों से जूझे हैं और देश के अस्तित्व को न केवल बरकरार रखा है, बल्कि आज भारत विश्व की महाशक्तियों में शामिल है। सबसे बड़ी आबादी (147 करोड़ से अधिक) वाला भारत विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिक महाशक्ति भी है। भारत की मौजूदा आर्थिक विकास दर 7.7 फीसदी है और 2026-27 की अनुमानित दर 6.5 फीसदी के करीब विश्व में सर्वोच्च है। हालांकि हमें अभी 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना शेष है, लेकिन भारत की क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर हमारा जीडीपी 18-21 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। अर्थव्यवस्था की गति के मद्देनजर भारत 2027 में जर्मनी और जापान सरीखे देशों को पीछे कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। आजादी के वक्त जो देश सुई बनाना भी न जानता हो, वह आज लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ब्रह्मोस-अग्नि सरीखी विध्वंसक मिसाइलों का उत्पादन कर रहा है। भारत का रक्षा-निर्यात 40,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह लगातार बढ़ रहा है। हम 80 से ज्यादा देशों को रक्षा उत्पाद, हथियार, उपकरण और गोला-बारूद आदि का निर्यात कर रहे हैं। यही नहीं, भारत के उपग्रहों और मिशनों ने अंतरिक्ष को कई बार नापा है, खंगाला है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक उतरने वाले सर्वप्रथम देश हैं। चांद के अलावा, भारत ने मंगल ग्रह को भी खंगालने की कोशिश की है। आदित्य-एल 1 इसरो का पहला समर्पित सौर मिशन है, जिसे 2 सितंबर, 2023 को लॉन्च किया गया था। यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर स्थापित किया गया था। वहां से यह सूर्य पर होने वाली गतिविधियों, बदलावों आदि का निर्बाध अध्ययन कर रहा है। अमरीकी एजेंसी नासा ने भारतीय एजेंसी इसरो को मून मिशन पर साझा काम करने का न्योता दिया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारी शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर तक पहुंचने वाले और 18 दिनों तक वहां विभिन्न प्रयोग करने वाले प्रथम भारतीय हैं। वैसे भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की उड़ान और उपलब्धियों को भी हम कमतर नहीं आंक सकते। अब भारत का गगनयान पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन है। तीन अंतरिक्ष यात्री तीन दिन के लिए अंतरिक्ष में जाएंगे। उस मिशन में भी शुभांशु शुक्ला के अनुभव का फायदा उठाया जाएगा। बहरहाल स्वतंत्र भारत ने इतनी प्रगति और विकास किए हैं कि उन पर कई इतिहास लिखे जा सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय अवसर पर हमने महाशक्ति भारत की एक झांकी ही प्रस्तुत की है। दरअसल ये उजाले ही भारत का यथार्थ हैं, ऐसा नहीं है, क्योंकि आज भी कई विसंगतियां, अभाव, गरीबी, पिछड़ापन, नाकाम शिक्षा-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, कालाबाजारी और जमाखोरी सरीखे अंग्रेज भी भारत का काला सच हैं। भारत में आज भी अत्यधिक गरीबी मौजूद है। इन गरीबों की प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की क्रय-शक्ति मात्र 3 डॉलर, यानी 300 रुपए से भी कम, आंकी गई है। यह गरीबी-दर करीब 5.3 फीसदी (करीब 7.3 करोड़) है। निम्न-मध्यम वर्ग के मानकों (मात्र 4.20 डॉलर प्रतिदिन) के आधार पर देश की करीब 24 फीसदी आबादी है। करीब 34.2 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के दायरे में हैं। उनकी आय भी शर्मनाक है। ऐसे बीपीएल कार्डधारकों को पीएम आवास, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन आदि योजनाओं में प्राथमिकता पर रखा गया है। आज भी 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को मुफ्त अनाज हर माह बांटा जाता है। क्या 147 करोड़ में से 81 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें मुफ्त राशन मुहैया न कराया जाए, तो वे भूखे रह जाएंगे? बहरहाल आज देश गरीब भी है, स्कूलों के क्या हालात हैं, इसका विश्लेषण हम करते रहे हैं, लेकिन ये हालात बदलने चाहिए।

हवाई सफर में यात्रियों की सुरक्षा पर उठते सवाल

हवाई यात्रा को दुनिया में यातायात का सबसे सुरक्षित साधन माना जाता रहा है। सरकार व विमानन कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बातें भी खूब करती हैं। पिछले दिनों ही अलग-अलग विमानन कंपनियों की उड़ानों में कहीं तकनीकी खराबी की वजह से इंजन फेल होने, विमान का एसी खराब होने व कहीं पायलट के ही नशे में होने व कहीं क्रू मेंबर की लापरवाही से उड़ानों में देरी जैसी घटनाएं बता रही हैं कि विमानन कंपनियां सुरक्षा मानकों के अनुरूप सतर्कता बरतने को लेकर गंभीर नहीं हैं। इंडिगो की कोलकाता-चेन्नई फ्लाइट में दो दिन पहले उड़ान के दौरान इंजन फेल होने घटना ऐसी ही लापरवाही की ओर संकेत कर रही है। हाल ही थाईलैंड से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया की उड़ान में तो लापरवाही की हद दिखी, जब विमान के अचानक हवा में तीन सौ फीट नीचे आने की वजह पायलट के नशीले पदार्थ का सेवन सामने आई।

हवाई सफर के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच बड़ा सवाल यह है कि आखिर विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिए जाते? सवाल यह भी कि विमानन कंपनियों का ध्यान यात्री सुविधाओं की बजाय मनमाना किराया वसूलने में ही क्यों रहता है? एक तरफ विमानन सेवाओं के विस्तार की बातें की जाती हैं तो दूसरी ओर उड्डयन कंपनियों द्वारा मनचाहा किराया वसूलने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। अचानक किसी उड़ान के रद्द करने का ऐलान करना, निर्धारित समय से काफी विलंब से उड़ान भरना जैसी घटनाएं तो आम बात हो गई हैं। एक तथ्य यह भी है कि विमानन कंपनियों के पुराने विमानों की जगह नए विमान बेड़े में लाने की रफ्तार काफी कम है। सरकार ने लोकसभा में गत फरवरी में ही यह जानकारी दी कि देश की छह बड़ी एयरलाइंस के 754 विमानों में से 377 में बार-बार खराबी आने की बात जांच में सामने आई है। सरकार की ओर से कहा भी गया कि इस जानकारी के बाद नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विमानों पर निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। बड़ी समस्या यह भी है कि विमानन कंपनियों के ऐसे विमान उड़ान भर रहे हैं जिन्हें तकनीकी समस्याओं की वजह से रिटायर कर देना चाहिए था। वैश्विक बाजार में बोइंग व एयरबस जैसी बड़ी कंपनियां भी मांग के अनुरूप विमान तैयार नहीं कर पा रही हैं। लेकिन विमानन कंपनियों को यह तो विचार करना ही होगा कि वे मुनाफे को प्राथमिकता देंगे या यात्रियों की सुरक्षा को। उड़ानों की संख्या कम भले ही हो जाए लेकिन विमानन कंपनियों को सुरक्षित उड़ानों की चिंता करनी ही होगी। पायलटों की कमी दूर करने के साथ उन्हें समुचित प्रशिक्षण भी मिले। उड़ान से पहले चालक दल के सदस्यों के परीक्षण के मापदंडों को सख्ती से लागू किया जाए। तकनीकी पक्ष की तरफ सर्वाधिक ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि जरा सी लापरवाही यात्रियों की जान जोखिम में डाल सकती है।

अस्सी साल की आजादी : सफर, संघर्ष व सवाल

15 अगस्त 2026 को भारत अपनी स्वतंत्रता की अस्सीवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। अस्सी वर्ष किसी राष्ट्र के इतिहास में छोटी अवधि नहीं होते। इन वर्षों में पीढ़ियां बदल गईं, समाज बदला, अर्थव्यवस्था बदली और दुनिया का राजनीतिक परिदृश्य कई बार करवट ले चुका है। इसलिए यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का भी है। हमें देखना होगा कि 1947 में जिस भारत का सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था, वह आज कहां खड़ा है और अभी कितनी मंजिल बाकी है।

सिकंदर बंसल

पंद्रह अगस्त 1947 की सुबह भारतीय इतिहास की सबसे उजली और सबसे बेचैन सुबहों में से एक थी। सदियों की पराधीनता, संघर्ष, सत्याग्रह, जेल, लाठियां, गोलियां और असंख्य बलिदानों के बाद भारत ने स्वतंत्रता का सूर्योदय देखा था। यह वह क्षण था जिसका इंतजार कई पीढ़ियों ने किया था। लेकिन आजादी की उस सुबह में उल्लास के साथ पीड़ा भी थी। देश का विभाजन हो चुका था, लाखों लोग अपने घरों से उजड़ रहे थे, सांप्रदायिक हिंसा ने इनसानियत को घायल कर दिया था और नवजात राष्ट्र के सामने अपने अस्तित्व को मजबूत करने की असंख्य चुनौतियां खड़ी थीं। इसलिए 15 अगस्त 1947 केवल सत्ता के हस्तांतरण का दिन नहीं था, वह सपनों और संघर्षों से भरे एक नए भारत के जन्म का क्षण था। 15 अगस्त 2026 को भारत अपनी स्वतंत्रता की अस्सीवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। अस्सी वर्ष किसी राष्ट्र के इतिहास में छोटी अवधि नहीं होते। इन वर्षों में पीढ़ियां बदल गईं, समाज बदला, अर्थव्यवस्था बदली और दुनिया का राजनीतिक परिदृश्य कई बार करवट ले चुका है। इसलिए यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, आत्ममंथन का भी है। हमें देखना होगा कि 1947 में जिस भारत का सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था, वह आज कहां खड़ा है और अभी कितनी मंजिल बाकी है।

1947 का भारत आज के भारत से बिल्कुल अलग था। अर्थव्यवस्था कमजोर थी, उद्योग सीमित थे, गरीबी व्यापक थी और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद कम थीं। शिक्षा की स्थिति भी चिंताजनक थी। 1951 की पहली जनगणना में देश की साक्षरता दर केवल 18.33 प्रतिशत थी। बड़ी आबादी गांवों में रहती थी और जीवन मूलभूत सुविधाओं के अभाव में गुजरता था। देश के सामने भूख, बीमारी, बेरोजगारी और अशिक्षा से लड़ते हुए एक आधुनिक राष्ट्र का निर्माण करने की चुनौती थी। इन कठिन परिस्थितियों के बीच भारत ने लोकतंत्र को अपना रास्ता चुना। संविधान बना और प्रत्येक वयस्क नागरिक को मतदान का अधिकार दिया गया। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, अमीरी या गरीबी के आधार पर मताधिकार में कोई भेद नहीं किया गया। 1951-52 के पहले आम चुनाव ने दुनिया को चकित कर दिया। जिस देश की बड़ी आबादी निरक्षर थी, उसी देश ने करोड़ों लोगों को मतदान की प्रक्रिया में शामिल करके यह साबित किया कि लोकतंत्र केवल शिक्षित और संपन्न समाजों की व्यवस्था नहीं है। भारतीय लोकतंत्र की यात्रा हालांकि हमेशा सरल नहीं रही। 1975 का आपातकाल नागरिक स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और राजनीतिक असहमति की कठिन परीक्षा था। लेकिन 1977 के चुनाव ने साबित किया कि भारत का मतदाता सत्ता बदलने की शक्ति रखता है। यही लोकतंत्र की असली ताकत है- अंतिम निर्णय जनता के हाथ में रहना। स्वतंत्रता के बाद भारत को अपनी सीमाओं की रक्षा की चुनौती भी लगातार झेलनी पड़ी। 1947-48 का भारत-पाकिस्तान युद्ध, 1962 में चीन के साथ युद्ध, 1965 और 1971 के युद्ध तथा 1999 का कारगिल संघर्ष राष्ट्रीय इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय हैं। 1971 के युद्ध ने दक्षिण एशिया का राजनीतिक भूगोल बदल दिया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। कारगिल ने भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को फिर देश के सामने रखा। इन संघर्षों के बीच भारत ने अपनी रक्षा क्षमता मजबूत की और आज विश्व राजनीति में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। लेकिन भारत की कहानी केवल युद्धों की कहानी नहीं है। यह निर्माण और आत्मनिर्भरता की कहानी भी है। हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न संकट से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिस भारत को कभी विदेशों से अनाज मंगवाना पड़ता था, वही आगे चलकर खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना। उद्योग, बैंकिंग, परिवहन और संचार के क्षेत्रों में भी व्यापक परिवर्तन हुए। विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने ऐसी उपलब्धियां हासिल कीं, जिनकी कल्पना 1947 के भारत में कठिन थी। अंतरिक्ष अनुसंधान, परमाणु ऊर्जा, औषधि निर्माण और चिकित्सा विज्ञान में देश ने अपनी क्षमता साबित की। चंद्रयान-3 की सफलता ने भारतीय वैज्ञानिक प्रतिभा को विश्व के सामने नई ऊंचाई दी। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफलतापूर्वक उतरने वाला भारत पहला देश बना। यह उपलब्धि उस भारत की यात्रा का प्रतीक है, जिसने कभी मूलभूत जरूरतों के लिए संघर्ष किया था और आज अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने की दिशा में अग्रणी देशों के साथ खड़ा है। आर्थिक क्षेत्र में 1991 का संकट निर्णायक मोड़ साबित हुआ। आर्थिक सुधारों के बाद उद्योग, व्यापार और निजी क्षेत्र के विस्तार को गति मिली। सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि निर्माण, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। फिर भी विकास की चमक के पीछे कुछ कठोर सवाल मौजूद हैं। गरीबी में कमी आई है, जीवन प्रत्याशा बढ़ी है और करोड़ों लोगों का जीवन स्तर सुधरा है, लेकिन बेरोजगारी, रोजगार की गुणवत्ता, किसानों की आय, महंगाई और आर्थिक असमानता अब भी चुनौती हैं। बड़ी अर्थव्यवस्था होना महत्वपूर्ण है, लेकिन विकास की असली कसौटी यह है कि उसकी रोशनी समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति तक कितनी पहुंची है। आजादी का अर्थ केवल यह नहीं कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी हो गई। आजादी तब सार्थक होगी जब गरीब परिवार बीमारी के कारण कर्ज में न डूबे, युवा रोजगार के लिए अपना घर छोड़ने को मजबूर न हो, किसान अपनी फसल के उचित मूल्य के लिए संघर्ष न करे और किसी बच्चे की प्रतिभा संसाधनों के अभाव में दम न तोड़ दे। शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने लंबा सफर तय किया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों का विशाल नेटवर्क तैयार हुआ, लड़कियों की शिक्षा का विस्तार हुआ और गांवों तक शिक्षा पहुंची। लेकिन अब चुनौती केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा देने की है जो ज्ञान के साथ विवेक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और आत्मनिर्भरता पैदा करे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी गुणवत्ता की जरूरत है। बहरहाल, भारत के संघर्ष का रास्ता अभी लंबा है।

आजादी की वह कीमत, जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए

यह संघर्ष केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि उन लाखों विस्थापित परिवारों की कहानी है, जिन्होंने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति आस्था के बल पर अपना नया संसार खड़ा किया। उन्होंने विस्थापन को अपनी नियति मानकर जीवन से हार नहीं मानी। विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया, नए भारत में अपना स्थान बनाया और राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। यही विभाजन पीड़ित परिवारों की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि संपत्ति छीनी जा सकती है, लेकिन परिश्रम, साहस और आत्मसम्मान नहीं छीना जा सकता।

वासुदेव देवनानी

हमारे लिए 14 अगस्त केवल भारत के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या नहीं है। यह वह दिन है, जिसने स्वतंत्रता की खुशी के साथ करोड़ों भारतीयों के जीवन में ऐसा दर्द भर दिया, जिसकी टीस पीढ़ियों तक महसूस होती रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त 2021 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर उन लाखों लोगों के संघर्ष, बलिदान और विस्थापन को राष्ट्रीय स्मृति का हिस्सा बनाया है, जिन्होंने देश के विभाजन की कीमत अपने घर, परिवार और अपने प्राण देकर चुकाई। विभाजन को समझना यह समझना है कि स्वतंत्रता हमें कितनी बड़ी मानवीय त्रासदी की कीमत चुकाने के बाद मिली है।

ब्रिटिश शासन ने भारतीय समाज की विविधताओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के ढांचे में इस तरह इस्तेमाल किया कि हमारी सामुदायिक पहचानें धीरे-धीरे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का आधार बनती गईं। 1940 के दशकों मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की मांग अधिक मुखर हुई और 1946 के घटनाक्रमों, कैबिनेट मिशन योजना की विफलता और उसके बाद बढ़ती साम्प्रदायिक हिंसा ने परिस्थितियों को अत्यंत जटिल बना दिया। अंततः भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राष्ट्र बने, लेकिन इसके साथ ही वह मानवीय त्रासदी शुरू हुई, जिसकी कल्पना शायद किसी ने नहीं की थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत का विभाजन उनके शरीर को दो टुकड़ों में बांटने के समान होगा। लेकिन हिंसा की विकरालता और गृहयुद्ध की आशंका के सामने परिस्थितियां इतनी भयावह हो गईं कि कांग्रेस नेतृत्व ने अंततः विभाजन की योजना स्वीकार कर ली। विभाजन के समय सिंध, पश्चिमी पंजाब, सीमांत प्रांत और पूर्वी बंगाल से भारत आने वाले परिवारों की पीड़ा को केवल आंकड़ों अथवा संख्या में नहीं समझा जा सकता। हिंसा, हत्या और विस्थापन की अवर्णनीय घटनाओं ने लाखों परिवारों को तहस-नहस कर दिया। विभाजन के दौरान 'ब्लड ट्रेन' की स्मृतियां आज भी अनेक परिवारों की मौखिक इतिहास परंपरा का हिस्सा हैं। सबसे अधिक मर्मांतक पीड़ा महिलाओं ने झेली। अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्म परिवर्तन, जबरन विवाह और परिवारों से बिछुड़ने जैसी अमानवीय घटनाएं हुईं।

करीब दो करोड़ लोग विस्थापित हुए और लगभग बीस लाख लोग मारे गए। विभाजन के बाद भारत आए विस्थापित परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी, शून्य से अपना जीवन शुरू करना। जिनके पास बड़े मकान और कारोबार थे, उन्हें कभी शरणार्थी शिविरों में तो कभी खुले गगन के तले रातें बिताने को मजबूर होना पड़ा। किसी ने छोटी-सी दुकान से अपनी आजीविका के नए सफर की शुरूआत की तो किसी ने ठेला लगाया। लेकिन हाथ फैलाकर जीवन बिताने के बजाय मेहनत, आत्मसम्मान, उद्यमिता और शिक्षा को अपना हथियार बनाया। यही उनकी सबसे बड़ी विजय थी। यह संघर्ष केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि उन लाखों विस्थापित परिवारों की कहानी है, जिन्होंने अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति आस्था के बल पर अपना नया संसार खड़ा किया। उन्होंने विस्थापन को अपनी नियति मानकर जीवन से हार नहीं मानी। विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया, नए भारत में अपना स्थान बनाया और राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। यही विभाजन पीड़ित परिवारों की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि संपत्ति छीनी जा सकती है, लेकिन परिश्रम, साहस और आत्मसम्मान नहीं छीना जा सकता। विभाजन की विभीषिका हमें संदेश देती है कि नफरत की राजनीति अंततः समाज को बांटती है, जबकि संवाद, विश्वास और एकता राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं। यह स्मृतियां हमें बताती है कि आजादी का उत्सव जितना गौरव का विषय है, उतना ही विभाजन की पीड़ा को याद करना हमारी जिम्मेदारी भी है। इसलिए जब 15 अगस्त को जब तिरंगा फहराए तो उसे केवल इसे उत्सव नहीं, वरन् कृतज्ञता का पर्व भी समझना चाहिए। आइए, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर हम अपने उन पुरखों को नमन करें जिन्होंने सब कुछ खोकर भी भारत को अपना घर बनाया। इसलिए विभाजन की विभीषिका को याद रखें, लेकिन उससे घृणा नहीं बल्कि, राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और अखंड भारत एवं राष्ट्रीय चेतना की प्रेरणा लें।

ज्ञान ही मुक्ति है

चिंतन-मनन

ओशो

ज्ञान शक्ति है, ज्ञान ही मुक्ति भी और ज्ञान ही विजय की यात्रा है। जिसे हम जान लेते हैं, उससे हम मुक्त हो जाते हैं और जिसे हम जान लेते हैं, उसे हम जीत भी लेते हैं। हमारी हार और पराजय हमारे अज्ञान के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। अंधकार है, इसीलिए पराजय है। प्रकाश हो तो पराजय असंभव है। प्रकाश विजय बन जाता है। मृत्यु के संबंध में पहली बात आपसे यह कहना चाहूंगा कि मृत्यु से अधिक असत्य और कुछ भी नहीं है। लेकिन मृत्यु ही सत्य मालूम होती है। न केवल सत्य मालूम होती है, बल्कि जीवन का केंद्रीय सत्य भी वही मालूम होती है। और ऐसा प्रतीत होता है कि सारा जीवन मृत्यु से घिरा हुआ है। और चाहे हम भूल जाते हों, भुला देते हों, लेकिन फिर भी मृत्यु चारों तरफ निकट ही खड़ी रहती है। अपनी छाया से भी ज्यादा अपने पास मृत्यु है। जीवन का जो रूप हमने दिया है, वह भी मृत्यु के भय के कारण ही दिया है। मृत्यु के भय ने समाज बनाया है, राष्ट्र बनाए हैं, परिवार बनाए हैं, मित्र इकट्ठे किए हैं। मृत्यु के भय ने धन इकट्ठे करने की दौड़ दी है, मृत्यु के भय ने पदों की आकांक्षा दी है और सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि मृत्युके भय ने ही हमारे भगवान और हमारे मंदिर भी खड़े कर दिए हैं। मृत्यु से भयभीत घुटने टेककर प्रार्थना करते हुए लोग हैं। मृत्यु से भयभीत आकाश की तरफ, परमात्मा की तरफ हाथ जोड़े हुए लोग हैं। और मृत्यु से ज्यादा असत्य कुछ भी नहीं है। इसीलिए मृत्यु को सत्य मानकर हमने जो भी जीवन की व्यवस्था की है, वह सब भी असत्य हो गई है। लेकिन मृत्यु का असत्य हमें कैसे पता चले?

यह हम कैसे जान पाएं कि मृत्यु नहीं है? और जब तक हम यह न जान पाएं, तब तक हमारा भय भी विलीन नहीं होगा। और जब तक हम यह न जान पाएं कि मृत्यु असत्य है, तब तक जीवन हमारा सत्य नहीं हो सकता है। जब तक मृत्यु का भय है, तब तक जीवन सत्य नहीं हो सकता है। और जब तक मृत्यु से हम डरे हुए कंप रहे हैं, तब तक जीवन को जीने की क्षमता भी हम नहीं जुटा सकते।

जीवन को केवल वही जी सकता है, जिसके सामने से मृत्यु की छाया विदा और विलीन हो गई है। कंपता हुआ मन कैसे जीएगा? डरा हुआ मन कैसे जीएगा? और मौत जब प्रतिपल आती हुई मालूम पड़ती हो, तो हम कैसे जीएं?

हम कैसे जी सकते हैं? और हम कितना ही भुलाए रखें मृत्यु को, वह भूली नहीं रहती। मरघट हम गांव के बाहर बनाएं तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता, वह दिखाई पड़ ही जाता है। रोज कोई न कोई मरता है, रोज कहीं न कहीं मृत्यु घटित होती है और हमारे जीवन की सारी की सारी नींव हिल जाती है।

और प्रत्येक बार जब भी मृत्यु घटती हुई दिखाई पड़ती है, तभी हम जानते हैं कि मैं भी मरूंगा। जब हम किसी की मृत्यु पर रोते हैं, तब हम सिर्फ उसकी मृत्यु पर ही नहीं रोते, अपनी मृत्यु की खबर पर भी रोते हैं।

आपके पत्र

पाकिस्तान को आतंकवाद का हिसाब देना होगा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत को सिंधु जल समझौते के मुद्दे पर धमकी देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि पाकिस्तान के हिस्से के पानी में कोई कमी करने या उसे रोकने की कोशिश हुई तो पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। साथ ही उन्होंने कश्मीर पर पाकिस्तान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उनका देश कभी पीछे नहीं हटेगा। अपने भाषण में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की प्रशंसा करते हुए यह दावा भी किया कि उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने भारत को पराजित किया। पाकिस्तान आज भी वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रहा। उसे भारत से पानी तभी मिलेगा, जब वह भारत में फैलाए जा रहे आतंकवाद का हिसाब देगा।

आरके चौबे, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

स्वतंत्रता दिवसः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपराजधानी में फहराया तिरंगा, कहा

प्रशासन जनता के प्रति बने जवाबदेह

संवाददाता

दुमका : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपराजधानी दुमका के पुलिस लाइन मैदान में तिरंगा फहराया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने झारखंड के युवाओं की आकांक्षाओं और सपनों को लेकर चर्चा की। उन्होंने युवाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार को महत्वपूर्ण आधारशिला बताया। राज्यपाल ने कहा सरकारी सेवाओं में युवाओं को अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता हमारे युवाओं के भविष्य और उनके विश्वास से जुड़ा विषय है। परीक्षा व्यवस्था में प्रश्न पत्र लीक, कदाचार अथवा किसी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसी घटनाएं मेहनत और प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ाने वाले विद्यार्थियों के मनोबल और भविष्य को प्रभावित करती है। राज्यपाल ने अपेक्षा जताया कि राज्य सरकार परीक्षा प्रणाली की कमियों की गहण समीक्षा कर, उन्हें दूर करने के लिए ठोस कदम उठाएगी। साथ ही परीक्षा में किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का विश्वास सबसे बड़ी पूंजी है। योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुंचना प्रशासन को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना और भ्रष्टाचार के प्रति सहनशीलता नीति को अपनाना सुशासन की मूल पहचान है। उन्होंने कहा कि तकनीक और डिजिटल व्यवस्था के बेहतर उपयोग से सरकारी सेवाओं को सरल पारदर्शी और नागरिक केंद्रित बनाया जा रहा है। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कठोर और निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प देश के सामने रखा है, उसमें हमारे युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस राज्य और इस देश का भविष्य युवाओं के हाथों में हैं। युवाओं के पास ऊर्जा है, तकनीक है, नए विचार हैं और कुछ नया करने का साहस भी है। राज्यपाल ने इन शक्तियों को एक दिशा में देकर राज्य और देश के विकास को नई गति प्रदान करने की बात कही। राज्यपाल ने कहा कि हम सब मिलकर संकल्प लेकर बेटियों को आगे बढ़ाने के पूरे अवसर देंगे। जनजातीय और वंचित समाज के विकास को प्राथमिकता देंगे। युवाओं के सपनों, प्रतिभा एवं परिश्रम का सम्मान करते हुए उन्हें आगे बढ़ाने में हर संभव अवसर उपलब्ध कराएंगे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वच्छता अभियान एवं हर्बल गार्डन का शुभारंभ

संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जिला गंगा समिति साहिबगंज की ओर से बी-4 क्वार्टर, गंगा बिहार पार्क के समीप स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा हर्बल गार्डन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने तथा औषधीय पौधों के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना था अभियान के तहत बी-4 क्वार्टर और गंगा बिहार पार्क के आसपास साफ-सफाई की गई। कचरा हटाने के साथ अनावश्यक झाड़ियों की कटाई कर क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया।इसी क्रम में गंगा बिहार पार्क के समीप हर्बल गार्डन का शुभारंभ हुआ। गार्डन में तुलसी, एलोवेरा, आम, करी पत्ता सहित विभिन्न औषधीय एवं उपयोगी पौधे लगाए गए। हर्बल गार्डन के माध्यम से लोगों को इन पौधों के उपयोग एवं महत्व की जानकारी मिलने के साथ क्षेत्र में हरियाली को भी बढ़ावा मिलेगा। जिला गंगा समिति की ओर से कहा गया कि स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में सामूहिक सहभागिता आवश्यक है। सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ पौधों की नियमित देखभाल से ऐसे प्रयासों को स्थायी रूप दिया जा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वच्छता, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

समाजहित से राष्ट्र निर्माण तक

स्वतंत्रता दिवस पर अभाविप ने लिया सेवा और समर्पण का संकल्प

संवाददाता

साहिबगंज : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद साहिबगंज नगर द्वारा चौक बाजार स्थित अस्थायी कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभाविप साहिबगंज जिले के जिला प्रमुख चंद्रशेखर प्रमाणिक एवं प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद कर नमन किया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का संकल्प लिया। चंद्रशेखर प्रमाणिक ने कहाक्षआजादी हमारे वीर शहीदों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। उनके सपनों के भारत के निर्माण के लिए हम सभी को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सेवा और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। श्री इंद्रजीत साह ने कहा तिरंगा हमें केवल गर्व का एहसास नहीं कराता, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्य की भी याद दिलाता है। युवाशक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव और राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कुमार ने कहा, शहीदों के बलिदान को याद करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और समाज के लिए निरंतर कार्य करें।

कार्यक्रम में प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, नगर सह मंत्री लक्ष्मी कुमारी, नगर सह मंत्री राजा वर्मा, सोशल मीडिया संयोजक दीपिका कुमारी, पूर्णब लाल, प्रीती सरकार,पारो, शांभवी, समीर, नीरज, अमन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाजहित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

झारखंड एजुकेशनल एंड कल्चरल डेवलपमेंट सोसाइटी ने महाविद्यालयों में मनाया स्वतंत्रता दिवस

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड एजुकेशनल एंड कल्चरल डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वावधान में संचालित विभिन्न महाविद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसरपरविभिन्नमहाविद्यालयों में विधिवत ध्वजारोहण किया गया तथा उपस्थित लोगों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लियाझारखंड विधिमहाविद्यालयमेंमहाविद्यालय के अध्यक्ष श्री गणेश स्वर्णकारने ध्वजारोहण किया। वहीं झारखंड इवनिंग कॉलेज में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। झारखंड टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में अजय कुमार यादव तथा झारखंड कॉलेज ऑफ फामेर्सी में मिथिलेश कुमार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों और देश के वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। आजादी हमें अनेक वीरों के बलिदान के बाद प्राप्त हुई है, इसलिए देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। वक्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देना है। हमारा एकमात्र मकसद है कि इन महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का परचम लहराएं और अपने परिवार, समाज तथा राष्ट्र का नाम रोशन करें। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन, नैतिकता, मानवता और राष्ट्रसेवा की भावना को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए।कार्यक्रम में दानदाता कला देवी सहित कोडरमा के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, महाविद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अधीनस्थ कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र। छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया और देश की प्रगति एवं समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। पूरे परिसर में तिरंगे की शान और राष्ट्रभक्ति का वातावरण देखने को मिला।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने किया ध्वजारोहण

परेड का किया निरीक्षण, राष्ट्रध्वज को दी सलामी

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमाः 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कोडरमा जिले में पूरे उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति के वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बागीटांड़ स्टेडियम, कोडरमा में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने परेड का निरीक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

उपायुक्त ने जिलेवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएंः समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने स्वतंत्रता सेनानियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों, पत्रकारों, विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी पारदर्शिता एवं प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले की विभिन्न उपलब्धियों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि विकास के अनेक क्षेत्रों में कोडरमा ने राज्य स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।

स्वास्थ्य सेवाओं को बनाया जा रहा सुदृढ़ एवं सुलभः उपायुक्त ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

आधुनिक मशीनों एवं तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे गंभीर बीमारियों की पहचान एवं उपचार में सहायता मिल रही है।

उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मरकच्चो प्रखंड में 100 बेड वाले प्रीफैब अस्पताल का शुभारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्र विहीन पंचायतों में 20 नए स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक तक बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें।

शिक्षा के क्षेत्र में कोडरमा का बेहतर प्रदर्शनः जिला प्रशासन द्वारा सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यालयों के शिक्षकों के अथक प्रयासों के फलस्वरूप इस वर्ष 12वीं बोर्ड परीक्षा के विज्ञान संकाय में कोडरमा जिला राज्य में तृतीय स्थान पर रहा है।

150 आंगनबाड़ी केंद्रों को नंदघर के रूप में उन्नयन की पहलः समाज कल्याण के क्षेत्र में नवाचार के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के अनुकूल वातावरण तैयार करने एवं केंद्रों के बेहतर संचालन के लिए जिले के 150 आंगनबाड़ी केंद्रों को नंदघर के रूप में उन्नयन करने की कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीण विकास योजनाओं में राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शनः ग्रामीण विकास के क्षेत्र में भी कोडरमा जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जुलाई माह तक 1,19,041 महिला मानव दिवस का सृजन किया गया है। महिला मानव दिवस सृजन में कोडरमा जिला राज्य में दूसरे स्थान पर रहा है। कोडरमा के केसरिया कलाकंद को मिला : जिला प्रशासन की पहल से कोडरमा का मशहूर केसरिया कलाकंद जून 2026 में प्राप्त करने वाला झारखंड का पहला खाद्य उत्पाद बना। केसरिया कलाकंद को जीआई टैग मिलने से कोडरमा जिले को विशिष्ट पहचान मिली है तथा स्थानीय उत्पाद को व्यापक स्तर पर पहचान मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

रानी मुखर्जी लॉ ट्रोब यूनिवर्सिटी की मानद डॉक्टरेट से सम्मानित

मेलबर्न: बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रानी मुखर्जी को ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने भारतीय सिनेमा में करीब तीन दशक के उल्लेखनीय योगदान तथा महिलाओं, बच्चों और वंचित समुदायों के लिए उनके निरंतर कार्य के लिए मानद डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी.लिट.) की उपाधि से सम्मानित किया है। रानी को यह सम्मान 14 अगस्त को मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वेयर में आयोजित विशेष समारोह में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 के दौरान प्रदान किया गया। इस सम्मान के साथ रानी मुखर्जी शाहरुख खान के बाद ला ट्रोब यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट पाने वाली दूसरी भारतीय फिल्म हस्ती बन गई हैं। विश्वविद्यालय ने 2019 में शाहरुख खान को उनके परोपकारी कार्यों और भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सम्मानित किया था। सम्मान स्वीकार करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि लॉ ट्रोब यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट प्राप्त करना मेरी जिंदगी के सबसे विनम्र और भावुक पलों में से एक है। जब मैं छोटी बच्ची थी, तो हर किसी की तरह मेरा भी सपना था कि मैं अपने परिवार और अपने देश को गौरवान्वित करूं। मुझे नहीं पता था कि यह कैसे होगा, लेकिन मुझे पता था कि अगर मैं किसी चीज में पूरी मेहनत से अच्छा बनने की कोशिश करूंगी, तो मेरे माता-पिता खुश होंगे। सिनेमा उस सपने को पूरा करने का माध्यम बन गया।

अपने करियर में जोखिम लेने और फिल्मों के चुनाव को लेकर रानी ने कहा कि मैं अपने करियर की शुरूआत से ही जोखिम लेने वाली रही हूं। मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों को चुना, जिन्होंने सबसे पहले मेरे दिल पर असर किया। ऐसी कहानी जिसे बताया जाना जरूरी हो, ऐसी कहानी जो लोगों को प्रेरित और सशक्त करे। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा चुपचाप ऐसी फिल्मों के जरिए भारत की सशक्त लड़कियों और महिलाओं को प्रस्तुत करने की कोशिश की है, जिनका दिल सही जगह पर हो। जरूरतमंद लोगों और तत्काल सहायता की तलाश करने वालों के लिए मैं जो काम करती हूं, उसे लेकर भी मैं उतनी ही भावुक हूं। फिल्मों की ताकत और कलाकारों की जिम्मेदारी पर रानी ने कहा कि मैं हमेशा से मानती आई हूं कि फिल्में लोगों के विचार बदलने से पहले उनके दिल बदल सकती हैं। इसलिए यह सम्मान मेरे लिए शब्दों में व्यक्त करने से कहीं अधिक मायने रखता है।

भारत-श्रीलंका में पहला टेस्ट मैच आज से, शुभमन के धुरंधरों के सामने स्पिन सबसे बड़ी चुनौती

एजेंसियां/ गॉले: भारत शनिवार से श्रीलंका के खिलाफ अपना 600वां टेस्ट मैच खेलेगा। यह मैच गॉले इंटरनेशनल स्टेडियम में सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। अगर भारत इस मुकाबले को जीत लेता है, तो सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज की बराबरी कर लेगा। भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ 46 मैच खेले हैं। इनमें से 22 में जीत मिली है, जो कि 48 फीसदी है। टीम इंडिया को सात में हार झेलनी पड़ी है और 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंकाई पिचों में भारत की जीत का रिकॉर्ड 38 फीसदी है। टीम ने श्रीलंकाई में 24 मैच खेले हैं। उसे नौ में जीत और सात में हार मिली है। आठ मैच ड्रॉ रहे हैं। भारतीय बैटर्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज स्पिन ट्रैक पर बल्लेबाजी होगा। उसने ग्रासी पिच पर वॉर्मअप मैच खेला है, जबकि गॉले की पिच स्पिन फ्रेंडली बताई जा रही है। भारतीय बल्लेबाज 2021 के बाद से स्पिनर्स के खिलाफ स्ट्रगल कर रहे हैं। टीम चोटों से जूझ रही है। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर, साई सुदर्शन और हर्षित राणा जैसे रेग्युलर प्लेयर्स चोटिल हैं। सारांश जैन और गुरनूर बराड़ जैसे नए प्लेयर्स को मौका मिला है। कप्तान शुभमन गिल सहित 12 खिलाड़ियों ने श्रीलंका में एक भी टेस्ट नहीं खेला है। केवल चार खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनके पास श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

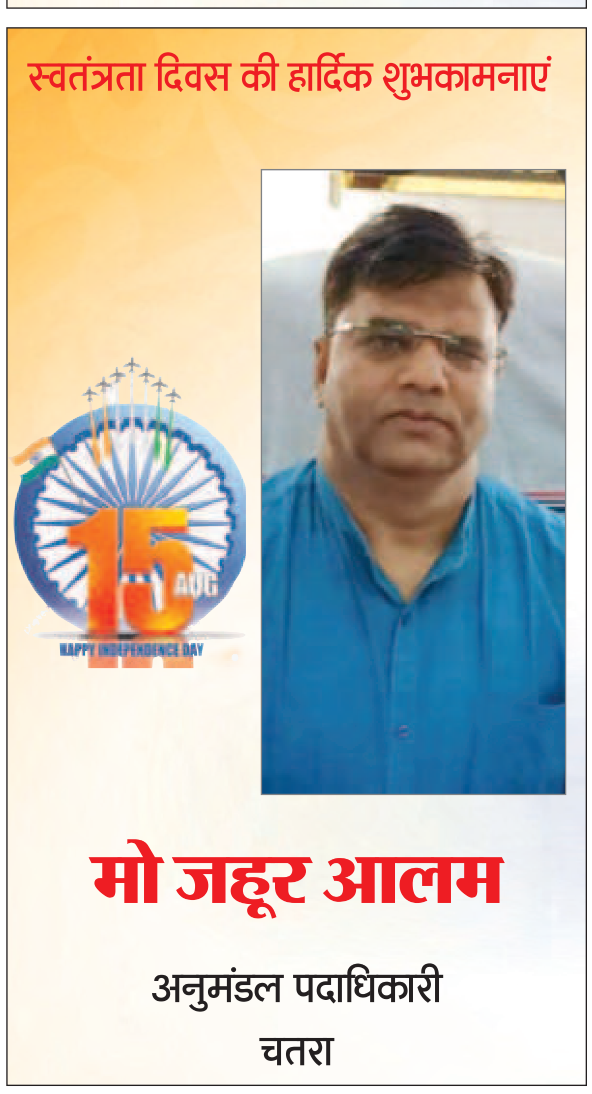

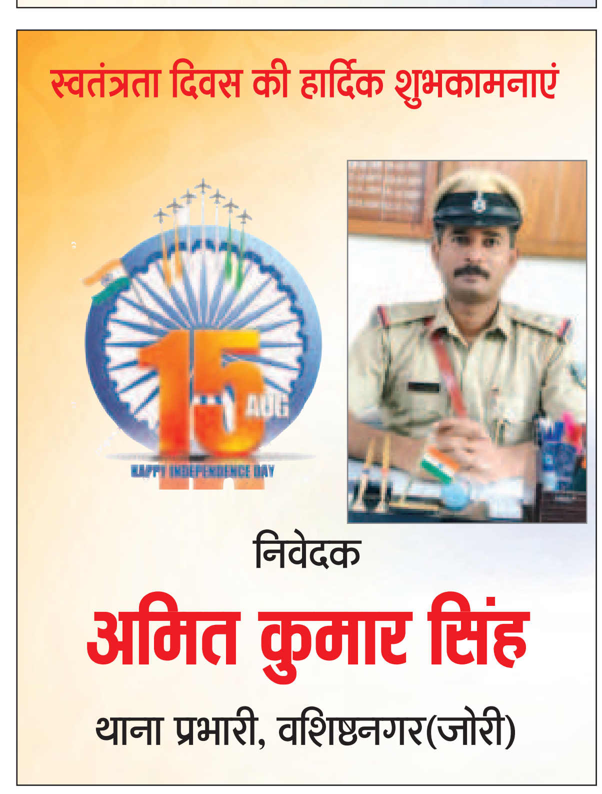

वित्तीय वर्ष 2026–27 में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का आवेदन ऑनलाईन पोर्टल savitribaipksy.jharkhand.gov.in के माध्यम से ली जा रही है। आवेदन देने की निम्न प्रकार दिया जा सकता है–

1. 18–19 वर्ष के लाभुक अपना आवेदन संबंधित बाल विकास परियोजना कार्यालय में सेविका के माध्यम से दे सकते हैं।
2. कक्षा 08 से 12 के बालिकाएँ का आवेदन संबंधित विद्यालय के शिक्षक के द्वारा e-vidhayavahni portal में दर्ज बालिकाओं को आवेदन ऑनलाईन के माध्यम से संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा।

निवेदक–जिला प्रशासन,
साहेबगंज।

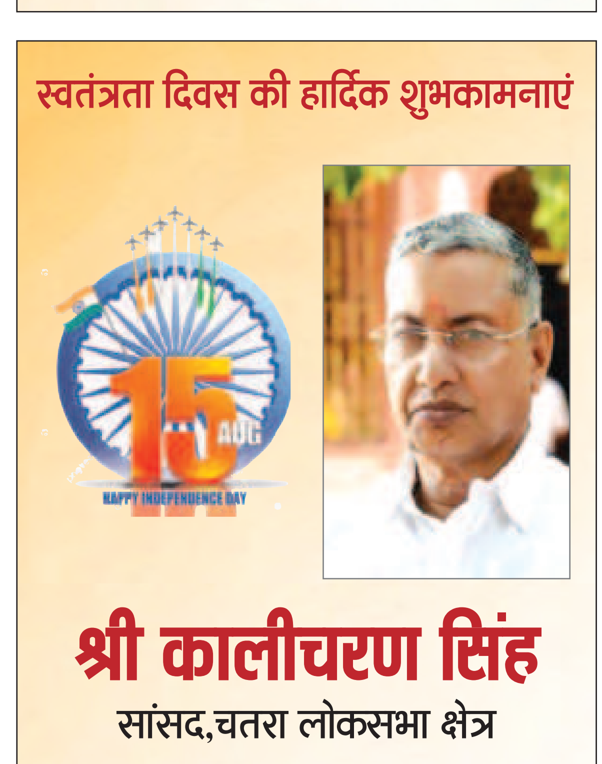

न्यूज IN ब्रीफ

पटना में आरजेडी दफ्तर पहुंचे लालू यादव, स्वतंत्रता दिवस समारोह में फहराया तिरंगा

पटनाः आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने आवास पर तिरंगा फहराया।

बिहार के मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के घरों पर झंडा फहराने की तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस लोगों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और शहादत की याद दिलाता है, और देशवासियों के दिलों में देशभक्ति, एकता और एक नया संकल्प जगाता है। उट सम्राट चौधरी ने कहा, 80वें स्वतंत्रता दिवस के पवित्र अवसर पर, आज सरकारी कर्मचारियों के घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और उसे सलामी दी गई। यह शानदार राष्ट्रीय त्योहार हमें स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और शहादत की याद दिलाता है, और देशवासियों के दिलों में देशभक्ति, एकता और एक नया संकल्प जगाता है। जय हिंद! जय माता की भारत!

सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूछा कि इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया मध्यस्थ बच्चों के यौन शोषण के मामलों की रिपोर्ट पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को क्यों नहीं दे रहे हैं। 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना और डाउनलोड करना एक जुर्म है और सोशल मीडिया इंटरमीडियरी के लिए ऐसे कंटेंट की रिपोर्ट पुलिस को करना जरूरी है। अगर सोशल मीडिया इंटरमीडियरी ऐसे मामलों की रिपोर्ट पुलिस को नहीं करते हैं, तो वे क्रिमिनल तौर पर जवाबदेह बन जाते हैं।

एक एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चाइल्ड की तरफ से दायर एक अर्जी में सुप्रीम कोर्ट में कहा गया था कि केंद्र और सोशल मीडिया इंटरमीडियरी सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का पालन नहीं कर रहे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया और पूछा कि सोशल मीडिया इंटरमीडियरी चाइल्ड पोर्नोग्राफी की रिपोर्ट पुलिस को क्यों नहीं कर रहे हैं।

अगले महीने भारत आयेंगे ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा रहा यह दौरा

बीजिंग/एजेंसीःईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान अगले महीने यानी सितंबर में नई दिल्ली आ रहे हैं। अमरीका संग चल रही जंग के बीच ईरानी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति पेजेश्कियान आगामी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए सितंबर में नई दिल्ली का दौरा करेंगे। 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12-13 सितंबर कों नई दिल्ली में आयोजित होना है। यह दौरा इसलिए भी अहम है, क्योंकि भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता में 18वें ब्रिक्स समिट की मेजबानी कर रहा है। राष्ट्रपति का यह दौरा वैश्विक और क्षेत्रीय कूटनीति के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि भारत वर्ष 2026 की अपनी अध्यक्षता के तहत इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

जेपी नड्डा की एम्स में हुई कोरोनरी एंजियोग्राफी, हालत स्थिर

नई दिल्लीः केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई है। अस्पताल प्रशासन ने उनकी हेल्थ अपडेट देते हुए बताया है कि उनकी हालत अभी स्थिर है और उन्हें निगरानी के लिए हृदय रोग विभाग में भर्ती किया गया है। दिल्ली एम्स ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की गुरुवार शाम को बेचैनी की शिकायत के बाद जांच की गई, जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी भी शामिल थी। उनकी हालत अभी स्थिर है और उन्हें निगरानी के लिए एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया है।

गौरतलब है कि कोरोनरी एंजियोग्राफी एक मेडिकल इमेजिंग (शरीर के अंदरूनी अंगों की साफ तस्वीर लेने की तकनीक) प्रक्रिया है, जिसका इस्तेमाल कोरोनरी आर्टरीज की जांच के लिए किया जाता है। यह हृदय को ऑक्सीजन वाला खून आपूर्ति करने वाली रक्तवाहिनी है। इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर कैथेटर नाम की एक पतली, लचीली ट्यूब को रक्तवाहिनी में डालते हैं, जो आमतौर पर कलाई या कमर में होती है और इसे दिल तक ले जाते हैं। फिर कोरोनरी आर्टरीज में एक खास कंट्रास्ट डाई इंजेक्ट की जाती है और किसी भी सिकुड़न या ब्लॉकेज का पता लगाने के लिए एक्स-रे इमेज ली जाती हैं।

सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के बने निर्माता

`एजेंसी

नई दिल्लीः स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को नमन करते हुए देशवासियों की राष्ट्र-निर्माण में भूमिका, विभाजन की त्रासदी, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और पिछले एक दशक से अधिक समय में हुए विकास का उल्लेख किया।

राष्ट्रपति ने कहा, 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुई। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निमार्ता बने। उन्होंने कहा कि निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय असंख्य देशवासी तथा संविधान में निहित मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। राष्ट्रपति ने सभी की हृदय से सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए भारत

राष्ट्रपति का राष्ट्र के नाम संबोधन

आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। वयं राष्ट्रे जागृयाम , यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में अनगिनत देशवासी स्वाधीनता संग्राम से जुड़ गए। बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने समाज सुधार तथा राष्ट्र-निष्ठा के उच्च आदर्श प्रस्तुत किए। उन्होंने भारतमाता की उन सभी महान संतानों को सादर नमन किया, जिनके आदर्शों पर चलते हुए देश स्वतंत्र हुआ और आगे बढ़ा। राष्ट्रपति ने कहा कि 14 अगस्त के दिन को हम विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा और बंटवारे की विभीषिका सहन करनी पड़ी। फिर भी, उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ, उस समय देश के विभाजन के गंभीर परिणामों के साथ-साथ 550 से अधिक रियासतों को नवस्वाधीन भारत के साथ जोड़ना भी एक असाधारण चुनौती थी। सरदार पटेल ने राजशाही व्यवस्थाओं को समाप्त करके हमारे स्वाधीन लोकतंत्र में उनका विलय किया। राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारतभूमि के निवासियों में जनभागीदारी की भावना सदा से विद्यमान रही है। उस भावना को नई ऊर्जा के साथ हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज साधारण पृष्ठभूमि के लोग अनेक क्षेत्रों में असाधारण योगदान दे रहे हैं। इससे उनका यह विश्वास दृढ़ होता है कि आज के भारत में हर व्यक्ति बड़े सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे विधायिका में जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करें। कार्यपालिका का कर्तव्य है कि जनहित और राष्ट्रहित की नीतियों को कार्यरूप दे। न्याय-व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि अभाव के कारण कोई व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है, विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है तथा विकास में बाधक दशकों पुराने अनेक अवरोधों को दूर किया है। उन्होंने कहा कि हमारे देशवासी महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मना रहे हैं। महात्मा फुले और क्रांति-ज्योति सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और समानता के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उनके आदर्शों के अनुसार विगत कुछ वर्षों के दौरान वंचित वर्गों को आगे बढ़ाने के लक्ष्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सफलता मिली है। विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश की योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। इनमें 32 करोड़ से अधिक महिला खाताधारक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था द्वारा उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

आरजी कर रेप केस में गिरफ्तार टीएमसी के पूर्व विधायक पर भीड़ का हमला, थाने के बाहर अंडे फेंके, चोर-चोर के लगे नारे

एजेंसी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के चर्चित आरजी कर अस्पताल दुष्कर्म-हत्या मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक निर्मल घोष को शुक्रवार को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उत्तर 24 परगना जिले के खरदह थाने के बाहर जब पुलिस उन्हें बैरकपुर उपमंडलीय अदालत में पेशी के लिए ले जा रही थी, तभी गुस्साई भीड़ ने उन पर अंडे, जूते-चप्पल और कीचड़ फेंक दिया।

पुलिस के घेरे के बावजूद भीड़ ने किया हमलाः निर्मल घोष को सुरक्षा के बीच जेल वैन तक ले जाया जा रहा था। पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) के जवानों ने उन्हें चारों ओर से घेर रखा था। संभावित हमले से बचाने के लिए पुलिसकर्मियों ने उनके सिर पर हेलमेट भी पहनाया था, लेकिन इसके बावजूद भीड़ ने उन पर अंडे, जूते-चप्पल और कीचड़ फेंकना शुरू कर दिया। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें पुलिसकर्मियों को घोष को भीड़ से बचाकर वाहन तक पहुंचाने की कोशिश करते देखा जा सकता है।

कोर्ट परिसर में लगे चोर-चोर के नारेः निर्मल घोष को बैरकपुर उपमंडलीय अदालत में पेश किए जाने के दौरान भी लोगों ने उनका विरोध किया। अदालत परिसर में मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और चोर-चोर के नारे लगाए। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई थी।

संजीव मुखर्जी का भी हुआ विरोधः इसी मामले में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी पार्षद संजीव मुखर्जी को भी लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस जब उन्हें अदालत ले जाने के लिए वाहन तक पहुंचा रही थी, तब भीड़ ने नारेबाजी की और अपना गुस्सा जाहिर किया। मुखर्जी को मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल किया गया है।

ओडिशा से गिरफ्तार हुए थे निर्मल घोषः पूर्व विधायक निर्मल घोष को 13 अगस्त 2026 को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले में पीड़िता के कथित जल्दबाजी में अंतिम संस्कार से जुड़ी जांच के सिलसिले में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, घोष पर सबूत मिटाने, आपराधिक साजिश रचने और किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध काम करने के लिए मजबूर करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। मामले में पनिहाटी नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ डे भी आरोपी हैं और फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं।

पीड़िता के पिता की शिकायत के बाद हुई कार्रवाईः पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई पीड़िता के पिता की ओर से दर्ज कराई गई नई शिकायत के बाद आगे बढ़ी। शिकायत में पीड़िता के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद जांच तेज की गई और निर्मल घोष समेत अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

आरजी कर मामले में हुई इस नई कार्रवाई ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक और सामाजिक बहस को तेज कर दिया है। वहीं, पुलिस के सामने आरोपियों की सुरक्षा बनाए रखना भी चुनौती बन गया है, जैसा कि शुक्रवार को खरदह थाने के बाहर हुई घटना में देखने को मिला।

नतीजे कुछ भी हों,भारत रिस्क लेकर कड़ा प्रहार करता है , एनएसए डोभाल का दुनिया को संदेश,

एजेंसी

नई दिल्लीः राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पाकिस्तान और भारत के दुश्मनों को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की उदारता और सहनशीलता को उसकी कमजोरी समझने की गलती नहीं करनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर भारत जोखिम उठाने और कड़ी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। एक डॉक्यूमेंट्री के लिए ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए डोभाल ने भारत की सुरक्षा नीति में आए बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए कठिन फैसले लेने की क्षमता रखता है और कार्रवाई के संभावित परिणामों से डरने वाला नहीं है।

दुनिया के लिए साफ संदेशः अजीत डोभाल ने कहा, दुनिया को संदेश साफ है- भारत की उदारता या भारत के सहनशील होने को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। भारत जोखिम उठा सकता है और कड़ा प्रहार कर सकता है, भले ही नतीजे कुछ भी हों। उनका यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पहलगाम हमले के बाद शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूरः पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की थी। इसी कार्रवाई को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया।

भारत ने कार्रवाई के दौरान आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने पर जोर दिया और अपने अभियान को सैन्य तथा आतंकी ढांचे तक सीमित रखने की बात कही।

पाकिस्तान के जवाब के बाद बढ़ा सैन्य दबावः ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की ओर से जवाबी सैन्य कार्रवाई की कोशिश की गई। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों से जुड़ी क्षमताओं को निशाना बनाकर जवाब दिया। भारत की ओर से यह संदेश भी दिया गया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में सैन्य दबाव और रणनीतिक विकल्पों का इस्तेमाल करने से वह पीछे नहीं हटेगा।

परमाणु शक्ति की आड़ में दबाव की नीति नहीं चलेगीः ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की ओर से लगातार यह संकेत दिया गया कि पाकिस्तान की परमाणु क्षमता आतंकवाद के खिलाफ भारतीय कार्रवाई को रोकने की गारंटी नहीं है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस दौरान पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए भारत की सैन्य क्षमता और मिसाइलों की पहुंच का जिक्र किया था। डोभाल का ताजा बयान भी इसी व्यापक रणनीतिक संदेश का हिस्सा माना जा रहा है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर सख्त और जोखिम भरे फैसले लेने से पीछे नहीं हटेगा।

रथ उत्सव के दौरान हादसा, करंट लगने से दो लोगों की मौत, एक झुलसा

चेन्नईः तमिलनाडु के पेराम्बलूर ज़िले में कुन्नम तालुक के नन्नई गांव में रथोत्सव के लिए सजाए गए मंदिर का रथ खींचते समय कल रात दो भक्तों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति झुलसकर घायल हो गया। दरअसल, आज के रथोत्सव के लिए बाहर निकालते समय ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार की चपेट में रथ आ गया था। अय्यनार मंदिर के नवनिर्मित 20 फीट ऊंचे रथ को तमिल के पवित्र महीने आडी के अंतिम शुक्रवार के उत्सव के उपलक्ष्य में आज के रथोत्सव के लिए तैयार किया गया था। रथ को सजाने के बाद दो लोग अन्नादुरई (43) और परमासिवम (42) इसे मंदिर से बाहर निकाल रहे थे, तभी रथ के सबसे ऊपरी हिस्से पर लगा लोहे का कलश ऊपर से गुजर रहे एक हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गया। दोनों को करंट का जबरदस्त झटका लगा और मौके पर ही उनकी मौत हो गयी।

अब बैंक नहीं वसूल पाएंगे मनमाना ब्याज, आरबीआई ने लोन की दरें तय करने के लिए प्रस्तावित किए नए नियम

एजेंसी

मुंबई :अगर आप बैंक से लोन लेने की सोच रहे हैं या पहले से कोई कर्ज ले रखा है, तो आपके लिए एक बेहद अहम खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन पर ब्याज दरें तय करने के लिए एक नए और पूरी तरह से पारदर्शी सिस्टम का प्रस्ताव दिया है। इस नए ढांचे का मुख्य उद्देश्य बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के कर्ज देने के तरीकों में एकरूपता लाना है। इस नियम के लागू होने के बाद ग्राहकों को यह बिल्कुल साफ तौर पर पता होगा कि उनके लोन की दरें किन आधारों पर तय की जा रही हैं, जिससे बैंकों की मनमानी पर लगाम लगेगी।

बोर्ड से पास करवानी होगी स्पष्ट पॉलिसीः आरबीआई के प्रस्तावित ड्राफ्ट के अनुसार, सभी बैंकों और रेगुलेटेड वित्तीय संस्थाओं को ब्याज दरें तय करने के लिए अपने बोर्ड से एक विस्तृत पॉलिसी मंजूर करवानी होगी। इस नीति में

यह स्पष्ट रूप से बताना होगा कि लोन पर ब्याज दरें कैसे तय की जा रही हैं, इनमें किन बेंचमार्क का इस्तेमाल हो रहा है और दरें तय करने का अधिकार किसके पास है। कोई भी लेंडर लागू बेंचमार्क से कम कीमत पर लोन नहीं दे सकेगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बैंकों को साल में कम से कम एक बार इस पॉलिसी की समीक्षा भी करनी होगी।

बाहरी बेंचमार्क से जुड़ेंगे फ्लोटिंग रेट लोनः इस प्रस्ताव के तहत कमर्शियल बैंकों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे रिटेल और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को दिए जाने वाले सभी फ्लोटिंग-रेट लोन को किसी बाहरी बेंचमार्क से जरूर जोड़ें। बाहरी बेंचमार्क किसी एक बैंक के नियंत्रण में नहीं होते, इसलिए जब भी आरबीआई अपनी पॉलिसी रेट (जैसे रेपो रेट) में बदलाव करेगा, तो उसका सीधा और तेज असर कर्ज लेने वालों तक पहुंचेगा। इसके अलावा, फ्लोटिंग रेट वाले लोन में ब्याज दरों को आम तौर पर तीन महीने से ज्यादा के अंतराल पर रीसेट नहीं किया जा सकेगा और ब्याज की गणना रोजाना कम होने वाले बैलेंस के आधार पर की जाएगी।

एनबीएफसी को दी गई है छूटः नए नियमों में कमर्शियल बैंकों पर तो सख्ती की गई है, लेकिन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों , क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और को-ऑपरेटिव बैंकों को इस मामले में राहत दी गई है। इन संस्थाओं के लिए बाहरी बेंचमार्क अपनाना अनिवार्य नहीं होगा। इन्हें यह तय करने की पूरी आजादी होगी कि वे बाहरी बेंचमार्क से जुड़े फ्लोटिंग-रेट लोन दें या अपनी पुरानी व्यवस्था के तहत ही काम करें।

छोटे कर्जदारों और किसानों को खास राहतः इस नए फ्रेमवर्क में छोटे कर्जदारों का विशेष ध्यान रखा गया है। 50,000 रुपये तक के पर्सनल या माइक्रोफाइनेंस लोन पर अब संस्थाएं मनमाना ब्याज नहीं वसूल सकेंगी। इसके लिए आरबीआई ने वार्षिक प्रतिशत दर की एक स्पष्ट सीमा तय करने का निर्देश दिया है, जिसमें ब्याज और अन्य सभी शुल्क शामिल होंगे। वहीं, छोटे और सीमांत किसानों के शॉर्ट-टर्म कृषि लोन के मामले में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कुल ब्याज और फीस किसी भी स्थिति में मूल रकम से ज्यादा न हो। रिजर्व बैंक ने 11 सितंबर 2026 तक इस ड्राफ्ट पर राय मांगी है। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो यह नया सिस्टम 1 अप्रैल 2027 से लागू हो जाएगा।

समस्त राष्ट्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

भाजपा नेता सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्र सेवा फाउंडेशन सह राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा, सह प्रदेश महासचिव, भारतीय जनता मजदूर संघ, झारखंड

सुनील कुमार सिंह

उधवा प्रखंड के आतापुर पंचायत की मुखिया सुशीला किस्कू की ओर से साहिबगंज जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

उधवा प्रखंड के पूर्वी प्राणपुर पंचायत के मुखिया अताउर रहमान की ओर से साहिबगंज जिला वासियो को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

साहिबगंज के समाजिक कार्यकर्ता रवि वर्मा की ओर से साहिबगंज जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

प्रशांत कुमार मिश्रा

थाना प्रभारी, पिपरवार (चतरा)

साहिबगंज आईटीडीए के निदेशक संजय कुमार दास की ओर से साहिबगंज जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली समेत देशवासियों को डॉ रमणेश प्रसाद की ओर से शुभकामनाएं

निवेदक

सिंगपुर नर्सिंग होम मुरी, रांची।

(रक्त दान महादान।)

स्वतंत्रता दिवस पर मुरी सिल्ली समेत देशवासियों को कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय सिल्ली की ओर से शुभकामनाएं

निवेदक

चन्द्रिका कुमारी

वार्डेन सह शिक्षिका

पीएम श्री कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय सिल्ली, रांची।

(शिक्षा अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।)

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

अनुज कुमार

परियोजना पदाधिकारी (चूरी)

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

देवेंद्र सिंह

महाप्रबंधक (मोनेट डेनियल कोल वाशरी)

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

अमिताभ कुमार तिवारी

एन के एरिया महाप्रबंधक

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

रामकुमार वर्मा

खलारी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

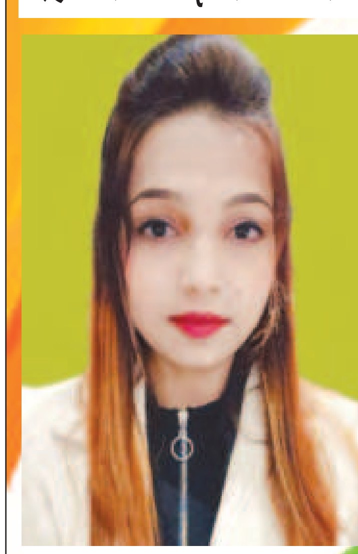

शाल्या परवीन

खलारी पूर्वी जिला परिषद

80वें स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर देशवासियों व झारखंडवासियों को शुभकामनाएं

अब्दुल्ला अंसारी

एन के एरिया सचिव (आरसीएमएस) सह मजदूर नेता